

---

# Shri Nagaraja Kavacham

---

## श्रीनागराजकवचम्

---

### Document Information

---

Text title : Nagaraja Kavacham

File name : nAgarAjakavacham.itx

Category : deities\_misc, kavacha

Location : doc\_deities\_misc

Latest update : February 18, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीनागराजकवचम्



(विनियोगः)

नागराजस्य देवस्य कवचं सर्वकामदम् ।

ऋषिरस्य महादेवो गायत्री छन्द ईरितः ॥

ताराबीजं शिवाशक्तिः क्रोधबीजस्तु कीलकः ।

देवता नागराजस्तु फणामणिविराजितः ।

सर्वकामार्थसिद्ध्यर्थे विनियोगः प्रकीर्तितः ॥

(कवचम्)

अनन्तो मे शिरः पातु कण्ठं सङ्कर्षणस्तथा ।

कर्कोटको नेत्रयुग्मं कपिलः कर्णयुग्मकम् ॥ १ ॥

वक्षःस्थलं नागयक्षः बाहू कालभुजङ्गमः ।

उदरं धृतराष्ट्रश्च वज्रनागस्तु पृष्ठकम् ॥ २ ॥

मर्माङ्गमश्वसेनस्तु पादावश्वतरोऽवतु ।

वासुकिः पातु मां प्राच्ये आग्नेयां तु धनञ्जयः ॥ ३ ॥

तक्षको दक्षिणे पातु नैर्ऋत्यां शङ्खपालकः ।

महापद्मः प्रतीच्यां तु वायव्यां शङ्खनीलकः ॥ ४ ॥


उत्तरे कम्बलः पातु ईशान्यां नागभैरवः ।

ऊर्ध्वं चैरावतोऽधस्तात् नागभेतालनायकः ।

सदा सर्वत्र मां पातु नागलोकाधिनायकाः ॥ ५ ॥

इति श्रीनागराजकवचं सम्पूर्णम् ।

pdf was typeset on February 19, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

